सांध्य दैनिक 4PM

सफलता उन्हें मिलती है, जो निडर होकर फैसला लेते हैं और परिणामों से नहीं घबराते।

-पंडित जवाहरलाल नेहरू

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 337 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 18 जनवरी, 2024

हाई रोमांच पर जाकर खत्म हुआ मैच... 7 | चेत जाए विपक्ष.. मिलकर कर ही... 3 | पंजाब की सभी 13 सीटों पर... 2

चंडीगढ़ मेयर चुनाव टलने पर आप व कांग्रेस का बीजेपी पर जोरदार हमला

- गरमा गई दिल्ली-पंजाब की सियासत, केजरीवाल ईडी के सामने नहीं होंगे पेश
- विरोध करने पर आप-कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार
- कांग्रेस बोली- बीजेपी जबरदस्ती पीठासीन अधिकारी को अस्पताल भेजा
- मामले को अदालत ले जाएगा विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली-पंजाब का सर्द मौसम सियासी संग्राम की वजह से गरमा गया। दरअसल आज चंडीगढ़ का मेयर चुनाव टाल दिया गया। चुनाव टालने पर भाजपा, आप व कांग्रेस के निशाने पर आ गइ है। वहीं दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने ईडी के सामने जाने से मना कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक समन है जिसका मकसद सिर्फ उन्हें गिरफ्तार करना है।

उधर चंडीगढ़ के मेयर चुनाव के लिए आज 11 बजे से मतदान शुरू होना था। लेकिन पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह की तबीयत खराब होने के कारण चुनाव को अलगे आदेशों तक स्थगित कर दिया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर 500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। आप ने फिर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट से गुहार लगाई है कि निष्पक्ष चुनाव हो और आज ही दूसरा प्रीसाइडिंग ऑफिसर तैनात किया जाए, जो चुनाव की कार्यवाही को पूरा करें। चुनाव स्थगित होने की सूचना मिलते ही आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा व कांग्रेस नेता पवन कुमार बंसल नगर निगम पहुंचे हैं। पार्षदों को नगर निगम के अंदर नहीं जाने दिया गया। चंडीगढ़ पुलिस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर रही है। बंसल ने कहा कि मुझे जानकारी मिली है कि बीजेपी ने मेयर चुनाव टालने की मंशा से पीठासीन अधिकारी को अस्पताल में भर्ती कराया है।

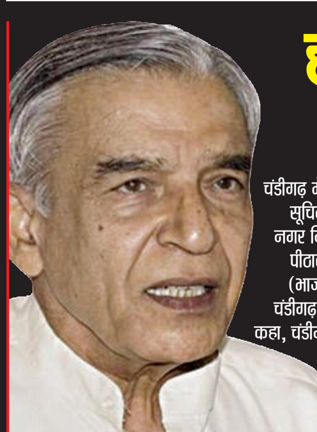

हम उच्च न्यायालय जाएंगे : बंसल

चंडीगढ़ मेयर चुनाव स्थगित होने पर कांग्रेस नेता पवन बंसल ने कहा कि मुझे सूचित किया गया है कि हमें (कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पार्षदों) को चंडीगढ़ नगर निगम कार्यालय के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है, क्योंकि पीठासीन अधिकारी ठीक नहीं हैं, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वे (भाजपा) ऐसा करना चाहते हैं कि चुनाव रोकें। हम उच्च न्यायालय जाएंगे। चंडीगढ़ कांग्रेस प्रमुख हरमोहिंदर सिंह लकी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, चंडीगढ़ में ऑपरेशन लोटस फेल हो गया है। उन्हें (बीजेपी) अपनी हार का एहसास हो रहा है। जब वे (वोट डालने) भी नहीं आए तो उनका नैतिक नुकसान हो गया। हम (आप और कांग्रेस) सभी अपना वोट डालने के लिए यहां आए हैं। इससे पता चलता है कि बीजेपी अपनी हार स्वीकार नहीं कर सकती।

चुनाव को अगली सूचना तक स्थगित किया

आज होने वाले चंडीगढ़ मेयर चुनाव को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है। कई पार्षदों को एक टेक्स्ट संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह के खराब स्वास्थ्य की बात लिखी है। अनिल मसीह को पीठासीन प्राधिकारी के रूप में नामित किया गया था। इसके विरोध में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने विरोध शुरू कर दिया है। वहीं, पुलिस चंडीगढ़ पुलिस आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर रही है।

हार से डर गई भाजपा : राघव

आप के राज्यसभा सांसद ने कहा कि यह स्पष्ट है कि इंडिया गठबंधन इस चुनाव में जीत रहा है और भाजपा हार रही है। बीजेपी इंडिया गठबंधन से डर गई है। हम चुनाव आयोग से अनुरोध करते हैं कि यदि मौजूदा पीठासीन अधिकारी बीमार पड़ गया है तो एक और पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया जाए, लेकिन चुनाव आज ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज होने वाले चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट जाएंगी। हमारे पास चुनाव भवन में प्रवेश करने के लिए वैध पास था, लेकिन हमें बताया गया कि प्रवेश बंद कर दिया गया है क्योंकि पीठासीन अधिकारी अचानक बीमार पड़ गए हैं।

मणिपुर में फिर हिंसा: भीड़ के हमले में तीन जवान घायल

- थौबल में बीएसएफ पर गोलीबारी, कर्फ्यू लगाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के थौबल जिले में बंदूकधारियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की जिसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कम से कम तीन जवान घायल हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में बताया कि बुधवार देर रात भीड़ में से कुछ बंदूकधारियों ने ''थौबल पुलिस मुख्यालय में तोड़फोड़ करने का प्रयास किया'' और सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की।

बयान के अनुसार उग्र भीड़ ने थौबल जिले के खंगाबोक में तीसरी भारतीय रिजर्व बटालियन को निशाना बनाया, सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करके उन्हें खदेड़ दिया। 'इसके अलावा, भीड़ ने थौबल पुलिस मुख्यालय में तोड़फोड़ करने का प्रयास किया, जिसके बाद सुरक्षा बलों को बल प्रयोग करना पड़ा। भीड़ में से हथियारबंद लोगों ने गोलियां चलाईं जिससे बीएसएफ के तीन जवान घायल हो गये। बयान के अनुसार तीनों की पहचान कांस्टेबल गौरव कुमार, एएसआई सोबराम सिंह और एएसआई रामजी के रूप में की गई है। उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जिला प्रशासन ने थौबल में कर्फ्यू लगा दिया है। स्वास्थ्य, मीडिया और अदालतों के कामकाज में शामिल लोगों और हवाई अड्डों पर जाने वाले लोगों सहित आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को हालांकि कर्फ्यू से छूट दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में तेंगनोउपल जिले के सीमावर्ती शहर मोरेह में उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों के एक वाहन पर बुधवार को हमला कर दिया था जिसमें मणिपुर पुलिस के दो कमांडो शहीद हो गये थे।

असम में भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में जुटी भीड़

- सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का किया जोरदार स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिवसागर। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुरुवार को नगालैंड से असम पहुंच गई। यात्रा नगालैंड से शिवसागर जिले के हलुवाटिंग होते हुए असम पहुंची. राहुल गांधी ने सुबह नगालैंड के तुली से बस यात्रा फिर से शुरू की और लगभग 9:45 बजे असम पहुंचे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा 15 राज्यों के 110 जिलों से होकर गुजरेगी।

हलुवाटिंग में सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं ने गांधी का स्वागत किया और राज्य में आठ दिवसीय यात्रा के लिए कांग्रेस की असम इकाई के नेताओं को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया। कांग्रेस सांसद के नेतृत्व में 6,713 किलोमीटर लंबी यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई थी और 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। असम में यह यात्रा 25 जनवरी तक जारी रहेगी।

पीडीए ही हमारा भगवान : अखिलेश

» बोले- हम लोग पुराने धार्मिक लोग

» सपा की यात्रा को दिखाई हरी झंडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक (पीडीए) ही हमारा भगवान है। राम मंदिर कार्यक्रम में जाने को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि हम लोग पुराने धार्मिक लोग हैं। हमारे लिए पीडीए ही हमारा भगवान है। इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए की प्रथम चरण की यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा का प्रथम चरण 1 फरवरी तक चलेगा। इस मौके पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 का साल नया जरूर है पर यह केंद्र की सत्ता परिवर्तन का भी साल है।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधते हुए निवेश के दावों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु और गुजरात निवेशकों की पहली पसंद है। वहां सुविधाएं भी बेहतर हैं। ऐसे में यूपी में कौन निवेश करेगा? सरकार को जानकारी देनी चाहिए कि प्रदेश में कितना निवेश आया और इससे कितने लोगों को रोजगार मिला। यूपी विधान परिषद की एक सीट पर हो रहे उपचुनाव में सपा कोई उम्मीदवार नहीं उतारेगी। इस सीट पर भाजपा ने दारा सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाया है। अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए यात्रा में सपा के सभी नेता शामिल होंगे और जगह-जगह पर मीडिया को भी संबोधित किया जाएगा।

सपा दारा सिंह के खिलाफ नहीं उतारेगी उम्मीदवार

2024 में केंद्र में हमारे सहयोग से सरकार बनेगी

आज लोकतंत्र खतरे में है लोकसभा से सांसदों को सवाल पूछने पर निलंबित कर दिया जाता है। ऐसे में जनता सरकार से क्या उम्मीद रखे। अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 में पीडीए गठबंधन ही एनडीए को हराएगा। इंडिया गठबंधन के साथ सीटों के बंटवारे पर उन्होंने कहा कि इस पर जल्द ही फैसला होगा। केंद्र में हमारे सहयोग से सरकार बनेगी तो युवाओं को नौकरियां मिलेंगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्र में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के शामिल होने की संभावना नहीं है। पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में जब यादव से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'न तो कांग्रेस हमें अपने कार्यक्रमों में बुलाती है, न ही भाजपा।

सीटों पर राहुल करेंगे अखिलेश से बात : खुर्शीद

सपा और कांग्रेस में सीटों के बंटवारे को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सीटों के बंटवारे पर दिल्ली में इंडिया गठबंधन के घटक दलों कांग्रेस और सपा के बीच कल हुई बैठक आगे तो बढ़ी, पर किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। बैठक खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि सपा के साथ एक और बैठक होनी है। बात नहीं बनी तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खरगे अखिलेश यादव के साथ बात करेंगे। बैठक के बाद रामगोपाल यादव ने कहा कि आधा रास्ता तय कर लिया गया है, आधा अभी बाकी है। उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारे को लेकर गठबंधन की बैठक में सपा की ओर से प्रो. रामगोपाल यादव, सांसद जावेद अली, विधायक संग्राम सिंह यादव व लालजी वर्मा व पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह और कांग्रेस की ओर से अशोक गहलोत, मोहन प्रकाश, अराधना मिश्रा मोना, अविनाश पांडे, अजय राय और सलमान खुर्शीद शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

प्राण प्रतिष्ठा समारोह राजनीतिक अभियान बन गया है : प्रकाश आंबेडकर

मुंबई। वीबीए प्रमुख ने कहा कि उनके दादा डॉ. बी आर आंबेडकर ने चेतावनी दी थी कि अगर राजनीतिक दल जाति और धर्म को राष्ट्र से ऊपर रखेंगे तो स्वतंत्रता एक बार फिर खतरे में पड़ जाएगी। वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर ने 22 जनवरी को अयोध्या में नए राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए राम मंदिर ट्रस्ट के निमंत्रण को बुधवार को अस्वीकार कर दिया। ट्रस्ट को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि इस आयोजन को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने हथिया लिया है। उन्होंने कहा कि एक धार्मिक आयोजन को राजनीतिक अभियान में बदल दिया गया है।

इंडिया गठबंधन जीतेगा जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख की सभी लोकसभा सीटें : वानी

श्रीनगर। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उस पर महंगाई और बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विकार रसूल वानी ने भी प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के प्रभारी भरत सिंह सोलंकी ने बुधवार को विश्वास जताया कि विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' केंद्र शासित प्रदेश और पड़ोसी लद्दाख की सभी लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उस पर महंगाई और बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विकार रसूल वानी ने भी प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की।

मुझे और बेटी को भाजपा में शामिल होने का मिला प्रस्ताव : सुशील शिंदे

» बोले- मैं कांग्रेस नहीं छोड़ूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे ने दावा किया है कि उन्हें और उनकी विधायक बेटी परिणीति शिंदे को भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का न्योता मिला था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस के प्रति निष्ठावान हैं और अपनी पार्टी नहीं छोड़ेंगे। शिंदे ने यह दावा मंगलवार को सोलापुर जिले के अक्कलकोट तहसील में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए किया। हालांकि, भाजपा का कहना है कि शिंदे और उनकी बेटी को पार्टी में शामिल होने के लिए कोई पेशकश नहीं की गई है। शिंदे ने कहा कि परिणीति ताई और मुझे भाजपा की ओर से पेशकश की गई लेकिन यह कैसे संभव है? मैंने अपनी पूरी जिंदगी कांग्रेस में बिताई है और यह कैसे संभव है कि किसी दूसरे के घर में जाऊं। मैं कभी दल-बदल में नहीं पड़ा।

कार्यक्रम के बाद जब संवाददाताओं ने शिंदे से पूछा कि उन्हें किसने भाजपा में शामिल होने की पेशकश की तो उन्होंने उनका नाम बताने से इनकार करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति ने पेशकश की, वह एक 'बड़ा' आदमी है। शिंदे ने कहा कि मैंने कहा कि मैं निष्ठावान कांग्रेसी हूं और कांग्रेस को छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगा। शिंदे के दावे का खंडन करते हुए भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने एक समाचार चैनल से कहा कि शिंदे और उनकी बेटी को भाजपा में शामिल होने की कोई पेशकश नहीं की गई है। इस बीच, राज्य सरकार में मंत्री और भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने सोलापुर शहर में शिंदे के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की। पाटिल सोलापुर के प्रभारी मंत्री भी हैं। सूत्रों ने बताया कि पाटिल की शिंदे से मुलाकात आगामी साहित्य सम्मेलन के लिए न्योता देने की खातिर थी। सुशील कुमार शिंदे 2003 से 2004 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे। केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन शासन के दौरान वह ऊर्जा और गृह मंत्री थे। उनकी बेटी परिणीति तीसरी बार महाराष्ट्र विधानसभा की सदस्य हैं। वह सोलापुर मध्य सीट से विधायक हैं।

पंजाब की सभी 13 सीटों पर जीतेगी आप: मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी पार्टी आप राज्य की सभी 13 लोकसभा सीटें जीतेगी। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब दोनों दलों के वरिष्ठ नेता पंजाब और दिल्ली में सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रहे हैं। मान ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में 13-0 होगी। आप पंजाब में सभी 13 लोकसभा सीटें जीतेगी। पिछले साल, कांग्रेस और आप की दिल्ली और पंजाब इकाइयों ने भाजपा के खिलाफ गठबंधन बनाने में अनिच्छा दिखाई थी। दोनों पार्टियों के नेताओं ने कहा था कि वे अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे।

हालांकि, 2024 में भारत ब्लॉक भागीदारों ने एक समझौते पर पहुंचने के लिए अपने प्रयासों को नवीनीकृत किया। पिछले हफ्ते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी। एक बड़ी सफलता में आप और कांग्रेस चंडीगढ़ में 18 जनवरी को होने वाले मेयर पद के लिए सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ने पर सहमत हुए। आप उम्मीदवार कुलदीप कुमार टीटा मेयर पद के लिए चुनाव लड़ेंगे, जबकि कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह गैबी और निर्मला देवी क्रमश: वरिष्ठ डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। हलांकि, मान की टिप्पणी से पता चलता है कि सीट वितरण के लिए कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी की चर्चा अभी तक उन्नत स्तर तक नहीं पहुँची है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों राज्यों में कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं। यह आप ही थी जिसने दोनों राज्यों में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया। चंडीगढ़ समझौते को पंजाब में बड़ी साझेदारी की दिशा में दोनों पक्षों द्वारा उठाए गए पहले ठोस कदम के रूप में देखा जा रहा है।

ईडी के समन ने केजरीवाल को धर्म से जोड़ा : अनुराग

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राष्ट्रीय राजधानी में सुंदरकांड पथ अभियान को लेकर आम आदमी पार्टी पर तीखा कटाक्ष किया और कहा कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय के समन के कारण पार्टी धर्म की ओर मुड़ गई। उन्होंने आप सरकार पर दिल्ली में अपने शासनकाल के दौरान हिंदू मंदिरों, पुजारियों और संतों की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया। दिल्ली शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय के लगातार समन में शामिल नहीं हुए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिन्होंने भ्रष्टाचार किया, जिनके कई नेता जेल में हैं, जो कहते थे हम भ्रष्टाचार से लड़ेंगे, आज वही अरविंद केजरीवाल और उनके लोग भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हुए हैं। इन लोगों को चार बार ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा जा चुका है। वे समन को छोड़ देते हैं लेकिन मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए वे सुंदरकांड का पाठ कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मंदिरों, संतों और पुजारियों के लिए क्या किया है। ऐसे समय में जब मौलवियों को मासिक ख़ैरात मिलती थी, केजरीवाल सरकार ने मंदिरों से दूरी बनाए रखी। अब ऐसी क्या जल्दी है कि आप ईडी के समन के बीच सुंदरकांड का पाठ कर रहे हैं?

हम मोदी-शाह से नहीं सिर्फ अल्लाह से डरते हैं : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि वह अल्लाह के सिवाय किसी से नहीं डरते हैं। फिर चाहे वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही क्यों न हों। हैदराबाद से सांसद ने इस दौरान और लोगों को भी सलाह दी कि वे न तो पीएम मोदी से डरें और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से डरें, वे सिर्फ और सिर्फ ऊपर वाले से डरें।

एआईएमआईएम चीफ की ओर से बातें माइक्रो ब्लॉगिंग मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) के जरिए कहीं गईं। उन्होंने 36 सेकेंड्स का एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स हैंडल पर लिखा था, हम सिर्फ जमीन-ओ-आसमान को बनाने वाले से (अल्लाह के संदर्भ में) से डरते हैं, बाकी किसी से भी नहीं डरते हैं। उन्होंने इस दौरान जो वीडियो क्लिप शेयर की थी, उसमें वह जनसभा के दौरान शायराना अंदाज में कहते नजर आए- हम सिर्फ जमीन-ओ-आसमान को बनाने वाले से डरते हैं, बाकी किसी से भी नहीं डरते हैं। जो मैं गुनहगार हूं, खताकार हूं, सियाकार हूं...मैं क्या हूं, मेरे रब को मालूम मगर मैं सिर्फ अल्लाह से डरता हूं और तुमको भी बोलने आया हूं कि न मोदी से डरना, न शाह से डरना और न हुकूमत से डरना...किसी से नहीं डरना. सिर्फ अल्लाह से डरना।

बामुलाहिज़ा

कार्टून: हसन जैदी

चेत जाए विपक्ष.. मिलकर कर ही मिलेगी जीत

आपसी मतभेद भुलाकर ही बीजेपी को दे पाएंगे मात

- » कांग्रेस को अपने साथियों को सहेजना होगा
- » सीटों के बंटवारें का मामला जल्द सुलझाएं
- » बिहार में भाजपा व मांझी के निशाने पर नीतीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्ष में सीटों के बंटवारे पर बात नहीं बन पा रही है पर रार जरूरी बीच-बीच में सुनाई दे जाती है। जैसे बिहार की महागठबंधन सरकार में शामिल दलों के बीच सीटों के बंटवारे पर वहां की पार्टियों के अलग-अलग बयान समय-समय पर आते रहते है। हर पार्टी अपनी-अपनी ताकत के हिसाब से सीटें मांग रही हैं। वहीं आप पंजाब में जहां अकेले लड़ने की बात कर ही है। तो यूपी में सपा व कांग्रेस में बात बन नही पा रही है। इन सबके बीच सियासी गलियारों यह भी चर्चा आम हो रही है कि बीजेपी जहां लोक सभा चुनाव की तैयारी में पूरी तरह से जुट गई है। इसीलिए वह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को बड़े आयोजन के रुप करवाने का जुगत लगा रही है।

खैर बात करतें है विपक्ष की। विपक्ष को अब पूरी तह से जी-जान लड़ाकर चुनवों की तैयारी करनी होगी। सीटों को लेकर विपक्ष में अभी तक बात ठीक से नहीं हो सकी है। उधर पूर्व के महत्वपूर्ण राज्य बिहार व बंगाल में लगातार कहा जा रहा है कि गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर पेंच फंस रहा है। बिहार में तो वजह है कि महागठबंधन में शामिल अलग-अलग पार्टियां अपने-अपने अनुसार सीटें मांग कर रही हैं। वहीं बंगाल में टीएमसी के साथ वहां की स्थानीय कांग्रेस पार्टी में रार थम नहीं पा रही है। उधर संसद में डीएमके के एक सांसद ने उत्तर भारतीयों को लेकर गोमूत्र वाला बयान दिया था। उसके बाद डीएमके के एक दूसरे नेता ने बिहार, उत्तर प्रदेश के हिंदी भाषी लोगों की तुलना टॉयलेट साफ करने वालों से कर दी थी। इन तमाम मसलों पर कांग्रेस को जितना खुलकर बोलना चाहिए था, पार्टी ने उस हिसाब से अपना पक्ष नहीं रखा। वहीं, भाजपा आक्रामक रही। ऐसे में इंडिया गठबंधन के लिए चुनौतियां कई सारी हैं। बताया जाता है कि जिस तरीके से इंडिया गठबंधन के भीतर इंग्लिश को बढ़ाने की कोशिश की जा रही है, वह बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार को कतई पसंद नहीं है। अक्सर हमने देखा है कि नीतीश इंग्लिश के खिलाफ बोलते रहते हैं। वह हिंदी को प्रमोट करने के हमेशा पक्ष में रहे हैं। खबर तो यह भी आई थी कि जब गठबंधन का नाम इंडिया रखा जा रहा था तो नीतीश ने इसका विरोध किया था और उन्होंने इसे हिंदी नाम पर रखने को कहा था। हालांकि, नीतीश के बाद को अनसुना कर दिया गया। इसके अलावा उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी भी हिंदी के पक्ष में खड़ी रहती है। वहीं, दूसरी ओर देखे तो ममता बनर्जी क्षेत्रीय स्मिता की बात करती हैं और वह लगातार बंगाली को प्रमोट करने की कोशिश में रहते हैं। कांग्रेस का कहना है कि गठबंधन में सारे दाल गुलाब की फूलों की तरह है जो एक साथ मिलकर गुलदस्ता बनते हैं। हालांकि, यह गुलदस्ता कहीं आने वाले समय में इंडिया गठबंधन पर ही भारी न पड़ जाए, इसका भी ध्यान रखना होगा। हिंदी पट्टी में आखिर कांग्रेस का सफाया क्यों हुआ, यह पार्टी के लिए सोचने वाली बात है। भाजपा दक्षिण में उस तरीके से मजबूत नहीं रही है। हां कर्नाटक में उसनी अपना सरकार खोया है लेकिन उसका वोट प्रतिशत बरकरार है। तेलंगाना में भी उसे अच्छी सफलता मिली है। लेकिन उत्तर भारत के राज्यों में कांग्रेस लगातार सिमटी जा रही है।

बिहार में इंडी गठबंधन में दरार की खबरें फिर आने लगी हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने तो यहां तक कह दिया कि लालू यादव ने नीतीश कुमार से दूरी भी बना ली है। वहीं, लालू यादव ने कहा है कि नीतीश कुमार के साथ सबकुछ सही चल रहा है। हालांकि, उनके चेहरे पर थोड़ी नाराजगी भी दिख रही थी। दूसरी ओर, पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने इंडी गठबंधन को घमंडिया गठबंधन करार दिया है। नीतीश कुमार के पुराने दोस्त जीतन राम मांझी ने बुधवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रें की। देश आज आगे बढ़ रहा है। चाहे विज्ञान की बात हो या जी20 की। आर्थिक दृष्टिकोण से भी सबकुछ सही है। नरेंद्र मोदी के हाथों में हर तरह से हिंदुस्तान सुरक्षित है।

पंजाब की 13 सीटों पर आप व मान की नजर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी पार्टी आप राज्य की सभी 13 लोकसभा सीटें जीतेगी। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब दोनों दलों के वरिष्ठ नेता पंजाब और दिल्ली में सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रहे हैं। मान ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में 13-0 होगी। आप पंजाब में सभी 13 लोकसभा सीटें जीतेगी। पिछले साल, कांग्रेस और आप की दिल्ली और पंजाब इकाइयों ने भाजपा के खिलाफ गठबंधन बनाने में अनिच्छा दिखाई थी। दोनों पार्टियों के नेताओं ने कहा था कि वे अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे। हालाँकि, 2024 में भारत ब्लॉक भागीदारों ने एक समझौते पर पहुंचने के लिए अपने प्रयासों को नवीनीकृत किया। पिछले हफ्ते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी। एक बड़ी सफलता में आप और कांग्रेस चंडीगढ़ में 18 जनवरी को होने वाले मेयर पद के लिए सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ने पर सहमत हुए। आप उम्मीदवार कुलदीप कुमार टीटा मेयर पद के लिए चुनाव लड़ेंगे, जबकि कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह गैबी और निर्मला देवी क्रमश: वरिष्ठ डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। हालाँकि, मान की टिप्पणी से पता चलता है कि सीट वितरण के लिए कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी की चर्चा अभी तक उन्नत स्तर तक नहीं पहुँची है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों राज्यों में कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं। यह आप ही थी जिसने दोनों राज्यों में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया। चंडीगढ़ समझौते को पंजाब में बड़ी साझेदारी की दिशा में दोनों पक्षों द्वारा उठाए गए पहले ठोस कदम के रूप में देखा जा रहा है।

सीट बंटवारे पर लालू भी जूझे

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का बड़ा बयान सामने आया है। बुधवार (17 जनवरी) की सुबह लालू यादव ने पत्रकारों को सीट शेयरिंग पर जवाब दिया। सीट शेयरिंग में हो रही देरी पर लालू यादव ने कहा कि इतना जल्दी हो जाता है? भीतर में सब हो रहा, इस सवाल पर कि कहा जा रहा है कि सीएम नीतीश कुमार नाराज चल रहे हैं, आपने मकर संक्रांति पर इस बार टीका नहीं लगाया उनको इस पर लालू यादव ने कहा कि यह सब अलग बात है। दरअसल महागठबंधन में आरजेडी और जेडीयू के साथ अन्य दल भी हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में जेडीयू ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था और पार्टी 16 सीट जीत गई थी। अब नीतीश कुमार की पार्टी जब महागठबंधन में है तो इन 16 सीटों को लेकर साफ कह दिया है किसी हालत में वे इसे नहीं छोड़ने वाले हैं। जेडीयू का कहना है कि अब जो 23 सीटें बच रही हैं उसमें आरजेडी अन्य दलों के साथ हिसाब कर ले।

एनडीए बिहार में पूरी तरह मजबूत : मांझी

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हम एनडीए गठबंधन में है, यहां किसी प्रकार की कोई फूट नहीं है। घमंडिया गठबंधन में आपस में विवाद चल रहे हैं... हर सीटों पर एनडीए की जीत हो हम इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। एनडी में सीटों के बंटवारे के सवाल पर जीतन राम मांझी ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हम एनडीएम के पार्टनर हैं। यहां किसी प्रकार की कोई इफ-बट नहीं है। हालांकि, उन्होंने सीटों के बंटवारे पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने सवाल को ये कहकर टाल दिया कि सीट शेयरिंग की चर्चा मीडिया में नहीं होती है। इंडी गठबंधन में खींचतान की खबरों पर जीतन राम मांझी ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा हम तो यही कह रहे हैं कि घमंडिया गठबंधन में उनका कोई हिसाब नहीं है। आपस में विवाद है। एक को पहले प्रधानमंत्री का सपना दिखाकर सेनापति की कुर्सी दिखा दी। घमंडिया गठबंधन आपस में टूट गया है। दो चार दिन के अंदर उनका कोई अस्तित्व नहीं रहेगा।

कांग्रेस को दक्षिण से मिलेगा भारी लाभ

कर्नाटक में जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस ने तेलंगाना में जबरदस्त जीत हासिल की। इसके अलावा 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने केरल में शानदार जीत हासिल की थी। ऐसे में दक्षिण राज्यों में फिलहाल कांग्रेस का दबदबा साफ तौर पर देखने को मिलता है। तेलंगाना में जब से कांग्रेस के जीत हुई है, उसके बाद देश में उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति भी जबरदस्त तरीके से जारी है। उत्तर और खासकर के हिंदी पट्टी के तीन बड़े राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी जीती। जबकि दक्षिण में तेलंगाना में कांग्रेस की जीत हुई। उसके बाद से उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति को हवा देने की कोशिश की गई। इसमें विपक्षी नेताओं की भूमिका कुछ ज्यादा ही रही। इसका बड़ा कारण यह भी है कि आने वाले दिनों में लोकसभा के चुनाव होने है। कांग्रेस और डीएमके जैसे विपक्षी दल दक्षिण में अपने गढ़ को भाजपा से बचना चाहते है और शायद इसी वजह से उत्तर भारतीयों को लेकर उनकी ओर से अलग-अलग बयान भी दिए गए हैं। हालांकि इससे कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दलों के लिए चुनौती और भी बढ़ सकती हैं।

राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का काट तैयार करे विपक्ष

वर्तमान में देखें तो दक्षिण के विपक्षी नेताओं के जो बयान है, उसे साफ तौर पर जाहिर होता है कि वह उत्तर भारतीयों को फिलहाल राजनीतिक तौर पर राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के मुद्दे पर ही समेटना चाहते हैं। यह बात सच है कि भाजपा राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का मुद्दा जोर-जोर से उठती है और उसे उत्तर भारत में जबरदस्त सफलता भी मिल रही है। दक्षिण भारत में भाजपा लंबे समय से एक्टिव है बावजूद इसके उसे वहां कामयाबी नहीं मिल पा रही है। हालांकि, भाजपा का साफ तौर पर कहना है कि 2024 लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति समाप्त हो जाएगी। भाजपा को इस बात की भी उम्मीद है कि केरल और तमिलनाडु में उसके वोट प्रतिशत बढ़ने वाले हैं। भाजपा दावा करती रही है कि मतदाताओं को गुमराह करने के लिए उत्तर बनाम दक्षिण का नॉरेटिव विपक्ष की ओर से सेट किया जा रहा है। लेकिन उसमें उन्हें कामयाबी नहीं मिलेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

आंकड़े और सच्चाई में कोई मेल नहीं!

“ लोग सोच रहे हैं महंगाई में वह कैसे बचत की सोचेगा? साथ ही आम भारतीय परिवारों की स्थितियां, आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया वाली हो गई हैं। बाजार में दैनिक उपयोग करने के हरेक सामान का आसान किस्तों पर मिलना भी बचत में गिरावट लाने का एक कारण है। लोन के चक्रव्यूह में फंसते परिवार बढ़ती हुई महंगाई और लोन के चक्रव्यूह में फंसने से बचत नहीं हो पाती है।

एक तरफ सरकार कह रही है कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाल दिया तो दूसरी तरफ आम आदमी को दिनोंदिन बढ़ती महंगाई के दौर में बिना कर्ज लिए घर चलाना मुश्किल सा बनता जा रहा है। सीमित कमाई होने से हरेक परिवार कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। सबसे बड़ी बात उसकी बचत नहीं हो पा रही है ऐसे में वह अपनी भविष्य को लकर भी चिंतित है। सरकारें व नेता है की इस पर राजनीति करने में जुटे हैं। लोग सोच रहे हैं महंगाई में वह कैसे बचत की सोचेगा? साथ ही आम भारतीय परिवारों की स्थितियां, आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया वाली हो गई हैं। बाजार में दैनिक उपयोग करने के हरेक सामान का आसान किस्तों पर मिलना भी बचत में गिरावट लाने का एक कारण है। लोन के चक्रव्यूह में फंसते परिवार बढ़ती हुई महंगाई और लोन के चक्रव्यूह में फंसने से बचत नहीं हो पाती है। लोन की किस्त में हर माह मोटी रकम चली जाती है जिससे परिवारों को बचत करना असम्भव होता है। जिस हिसाब से महंगाई बढ़ रही है, उस हिसाब से आमदनी नहीं बढ़ती। बचत देश की आर्थिक प्रगति का आधार है।

अर्थव्यवस्था के विकास के लिए घरेलू बचत का होना बहुत जरूरी है। महंगाई के लगातार ऊंचे स्तर पर बने रहने से लोगों की घरेलू बचत घट गई है। क्षमता से अधिक खर्च व अत्यधिक कर्ज लेने की प्रवृत्ति दिनों-दिन बढने के कारण बचत नहीं हो पा रही। क्रडिट कार्ड के अत्यधिक उपयोग ने भी बचत योजनाओं के आकर्षण को कम कर दिया है। आज से कुछ दशक पहले अगर जनजीवन पर ध्यान दें तो भोग विलास की वस्तुएं बहुत कम थीं। व्यक्ति साधारण तरीके से गुजर बसर करते थे। आजकल लोगों का रुझान-चमक धमक वाले घर, पहनावे, महंगी कार जैसी चीजों की तरफ बहुत अधिक बढ़ा है। मोबाइल, टीवी आदि ने भी लोगों की बचत को बहुत अधिक घटाया है। परिवारों की घरेलू बचत में गिरावट के दो ही मुख्य कारण नजर आते हैं। पहला तो कोरोना के समय में लोगों के काम धंधे चले गए और वे कर्ज के भार से दब गए। ऐसे में बचत कहां से हो? दूसरा मुख्य कारण लोगों का रुझान भौतिक सुख सुविधाओं की ओर हो गया। इसलिए घरेलू बचत में कम आ रही है। कम आमदनी और खर्च अधिक होने से घरेलू बचत कम हो रही है। बचत दर में गिरावट की एक वजह परिवारों की देनदारियों में हुई बढ़ोतरी भी है, जिसमें बड़ी हिस्सेदारी आवास ऋण की है। परिवारों की बचत में गिरावट का मुख्य कारण है बढ़ती महंगाई। चाहे उपभोक्ता वस्तुएं हों, शिक्षा प्राप्ति के संसाधन हों या चिकित्सा, सब महंगी हैं। इसके साथ ही दूसरों की देखा-देखी अनावश्यक खरीद परिवारों की बचत में गिरावट का प्रमुख कारण बनती जा रही है। शादी समारोह, मृत्युभोज , जन्मदिन और अन्य आयोजनों पर खूब खर्च किया जा रहा है। सरकारों को आंकड़ों नही हकीकत से दो-चार होना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीवन संवारने का माध्यम ही बना रहे धर्म

विश्वनाथ सचदेव

अब राहुल गांधी पूर्व से पश्चिम की यात्रा पर हैं। उनकी पिछली यात्रा 'भारत जोड़ो यात्रा' के नाम से हुई थी। उस यात्रा के परिणामस्वरूप भारत कितना जुड़ा इसका कोई आकलन अभी हुआ नहीं है। हां, इस यात्रा से राहुल गांधी की छवि अवश्य कुछ सुधरी है। हो सकता है अब पूरब-पश्चिम वाली 'भारत जोड़ो न्याय-यात्रा' से उनकी छवि कुछ और सुधरे। अभी तो शुरुआत है, आगे-आगे देखिए होता है क्या। लेकिन इतना तो अवश्य कहा जा सकता है कि इस दूसरी यात्रा का कदम आगे बढ़ाने में कांग्रेस से कुछ देरी अवश्य हो गयी है। पिछली यात्रा वाला जोश और उसे तब मिला प्रतिसाद अब दिखेगा या नहीं पता नहीं।

इस तरह की यात्राओं को नाम कुछ भी दिया जाये, उनके राजनीतिक उद्देश्य को नकारा नहीं जा सकता। लगभग तीन दशक पहले लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने एक रथ-यात्रा प्रारंभ की थी। उस यात्रा का घोषित उद्देश्य अयोध्या में 'भव्य-दिव्य राममंदिर' की स्थापना कहा गया था। आज वह मंदिर बन चुका है। लेकिन क्या यही उद्देश्य था उस यात्रा का? इन तीन दशकों में देश की राजनीति में भाजपा का जो स्थान बना है, उसमें लालकृष्ण आडवाणी की रथ-यात्रा के योगदान को नकारना देश की राजनीति और देश के 'मूड' को न समझना ही होगा। यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि तब अयोध्या के राम-मंदिर को राजनीति से जोड़ने की बात भाजपा के नेतृत्व ने छिपाने की कोशिश भी नहीं की थी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर की स्थापना इस देश की आस्था से जुड़ी है। देश की अस्सी प्रतिशत आबादी के आराध्य हैं श्रीराम। राम मंदिर का निर्माण इस आबादी के विश्वासों-निष्ठाओं की एक अभिव्यक्ति भी है। लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि अयोध्या में आज जो कुछ हो रहा है, उसका राजनीतिक लाभ भी संबंधित पक्षों को मिलेगा। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस इस बात को समझती नहीं थी, पर उसे समझकर आवश्यक कदम उठाने में वह विफल हो गयी है।

बेहतर होता कांग्रेस राम मंदिर के न्यासियों का निमंत्रण स्वीकार करती, समारोह में जाती और साथ ही इस मामले के राजनीतिकरण का विरोध भी करती। इस राजनीतिकरण की आलोचना वह अवश्य कर रही है, पर इसका राजनीतिक लाभ उठाने वालों के इरादों को पूरा न होने देने के लिए जिस राजनीतिक चतुराई की आवश्यकता अपेक्षित है, देश की सबसे पुरानी पार्टी में इसका अभाव स्पष्ट दिख रहा है। राहुल गांधी की पूर्व-पश्चिम वाली यात्रा में विलंब और जोश में कमी भी इस अभाव को प्रदर्शित करती है। हमने अपने संविधान में पंथ-निरपेक्षता को एक आदर्श के रूप में स्वीकारा है। इसका अर्थ अधार्मिक होना नहीं, सब धर्मों को समान सम्मान देना है। एक तरफ धर्म-निरपेक्षता हमारा आदर्श है तो दूसरी और सर्वधर्म समभाव भी। हमारा राष्ट्रपति, हमारा प्रधानमंत्री, हमारे राजनेता, हिंदू, मुसलमान, ईसाई, बौद्ध आदि धर्मों में विश्वास करने वाले हो सकते हैं, पर हमारे शासन का कोई धर्म नहीं है, शासन की दृष्टि में सब धर्म समान हैं। समान होने चाहिए। धर्म को राजनीति का हथियार बनाने का मतलब सांप्रदायिकता को बढ़ावा देना है, और सांप्रदायिकता हमारी मनुष्यता को भी चुनौती है। अयोध्या में भगवान राम के भव्य-दिव्य मंदिर के निर्माण का देश की जनता ने स्वागत ही किया है। इस संदर्भ में कुछ मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं, पर आज जो वातावरण देश में बना है वह सकारात्मक ही दिख रहा है। जरूरी है कि सकारात्मकता को बनाये रखा जाये। धर्म की राजनीति करने वालों को इस बात को समझना होगा कि सारे मतभेदों के बावजूद अयोध्या में रहने वाले मुसलमान मंदिर के निर्माण कार्य से भी जुड़े रहे हैं और मंदिरों के लिए आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था में भी योगदान देते रहे हैं। इस

बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए पूजा के फूल हो या मूर्तियों को पहनाये जाने वाले वस्त्र, इनका माध्यम भी मुख्यत: वहां के मुसलमान ही रहे हैं। यही नहीं देश में अनेक स्थानों पर मंदिर निर्माण के लिए एकत्र किए जाने वाले कोष में भी मुसलमानों ने योगदान दिया है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि कितना दिया गया, महत्वपूर्ण यह है कि योगदान किया गया।

आपसी सहयोग की यह भावना बनी रहे इसके लिए जरूरी है कि अब मंदिर-निर्माण का राजनीतिक लाभ उठाने की कोई कोशिश न हो। धर्म के नाम पर देश के मतदाताओं को बांटा न जाये। यह बात कहना आसान है और ऐसी अपेक्षा करना भी गलत नहीं है। पर हकीकत यह भी है कि आज हमारी राजनीति में ऐसे तत्व हैं जिनके लिए धर्म आस्था का नहीं, वोट जुटाने का माध्यम है। इन तत्वों से सावधान रहने की आवश्यकता है, और इन्हें असफल बनाने की ईमानदारी कोशिश करने की भी।

संस्कृति-पर्यावरण का संरक्षण भी हो सुनिश्चित

पंकज चतुर्वेदी

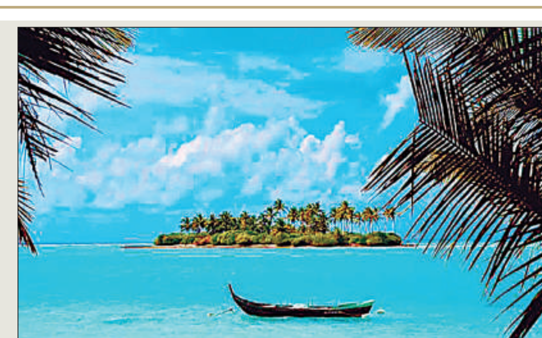

नये साल के पहले ही हफ्ते में 4 जनवरी को लक्षद्वीप के एकमात्र जिले के कलेक्टर ने एक अधिसूचना के माध्यम से बीच रोड बनाने के इरादे से किलतान गांव के 218 लोगों की 1.9 हेक्टेयर जमीन को अधिगृहीत कर लिया। इनमें से किसी का भी पुनर्वास नहीं होगा, यह आदेश में लिखा है। यह ठीक वही तारीख है जिस दिन लक्षद्वीप के समुद्र तट पर प्रधानमंत्री के फोटो-शूट से चर्चा में आया था। दावे किए जा रहे हैं कि इससे इंटरनेट पर लक्षद्वीप को तलाशने वालों की संख्या बढ़ गई। इससे इस सुरम्य और शांत द्वीप में पर्यटन बढ़ जाएगा। दूसरी तरफ प्रकृति की गोद में सहजता से जीवन जीने वाले यहां के बाशिंदे आशंकित भी हैं। साल 2021 में जब यहां 'लक्षद्वीप डेवलपमेंट अथॉरिटी रेगुलेशन, 2021' का मसौदा आया था, तब स्थानीय लोगों ने प्रतिरोध किया था।

लक्षद्वीप समेत सभी जगह स्थानीय जीवन शैली एवं पारिस्थितिकीय तंत्र प्रभावित करके कथित कॉर्पोरेट हितों को तरजीह देने की कोशिशों से स्थानीय लोग सहज नहीं हैं। स्थानीय लोगों में आशंका है कि कहीं अचानक लक्षद्वीप जाना पर्यटन बढ़ाने के नाम पर कंक्रीट के विकास के स्थानीय विरोध को ढकने के लिए तो नहीं। समझना होगा कि जलवायु परिवर्तन का असर लक्षद्वीप के समुद्री तटों पर दिनों दिन गहरा रहा है। यहां की संस्कृति और लोक को गढ़ने वाले मूंगे के पहाड़ों का रंग अब धुंधला हो रहा है। समुद्र तट पर तेजी से भूमि कटाव, समुद्री चक्रवात और पानी का तापमान बढ़ने से इस द्वीप का पर्यावरणीय संतुलन पहले से ही डगमगा रहा है। मछली पकड़ने के लिए बाहरी बड़े ट्रोलर्स को अनुमति, अधिक पर्यटक आने से मानवीय दखल बढ़कर बाद यहां जलवायु परिवर्तन की मार गहरी हो सकती है। कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के एस. अभिलाष कहते हैं 'ये द्वीप बेहद संवेदनशील हैं। यहां सालभर समुद्र अधिकांश समय अशांत बना रहता है। तूफानी लहरें, बदलती समुद्री धाराएं और कोरल रीफ के सफेद होने के चलते यहां नैसर्गिक संरक्षण अनिवार्य है। निर्माण जैसी गतिविधि से बड़े पैमाने पर मानवीय हस्तक्षेप स्थिति और भी खराब करेगा।'

लक्षद्वीप में कुल 36 द्वीपों में से केवल 10 में आबादी है। साल 1973 में लक्की दीव, मिनीकाय और अमीनदीवी द्वीपसमूहों का नाम लक्षद्वीप कर दिया गया। लक्षद्वीप प्रवाल द्वीपों का समूह है। आबादी बमुश्किल 71 हजार है। अधिकांश आबादी अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। वैसे तो यहां कोई पारम्परिक आदिवासी हैं नहीं लेकिन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सूची (संशोधन आदेश), 1956 के अनुसार, लक्षद्वीप के निवासी, जिनके दोनों माता-पिता इन द्वीपों में पैदा हुए थे, उन्हें अनुसूचित जनजाति के रूप में माना जाता है। यहां की प्रमुख फसल नारियल है और प्रतिवर्ष 2,598 हेक्टेयर भूमि में 580 लाख नारियल का उत्पादन होता है।

लक्षद्वीप के नारियलों में विश्व के अन्य नारियलों के मुकाबले सर्वाधिक तेल यानी 72 प्रतिशत पाया जाता है। कम ही लोग जानते होंगे कि लक्षद्वीप में शत-प्रतिशत ऑर्गेनिक खेती होती है अनौपचारिक समुदाय आधारित शिक्षा यहां जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और आजीविका के प्रति बचपन से ही जागरूक करती है। प्रकृति कि गोद में संतोषी जीवन जी रहे लोगों के जीवन में पिछले दिनों तब चिंताएं पैदा हुई जब लक्षद्वीप को मालदीव जैसा बनाने की ठानी गई। चर्चा है कि प्रशासक ने तटरक्षक अधिनियम के उल्लंघन के आधार पर तटीय इलाकों में मछुआरों की झोपड़ियों को हटाने को कहा है, जिससे स्थानीय लोगों में रोष है। दूसरी तरफ यहां के लोग दुकानें खोलने का विरोध करते हैं। यहां लोगों का कहना है कि पर्यटन के उद्देश्य से स्थानीय पांच या तीन सितारा होटलों या बार में शराब की अनुमति दी जाती तो ठीक था। नए कानून के दो प्रावधानों से स्थानीय लोग सरकार की मंशा पर शक कर रहे हैं। एक है 'लक्षद्वीप डेवलपमेंट अथॉरिटी रेगुलेशन, 2021' जिसके तहत शहर के विकास के लिए प्रशासन किसी को भी उसकी संपत्ति से बेदखल कर सकता है। साथ ही प्रिवेंशन ऑफ एंटी-सोशल एक्टिविटीज एक्ट जो किसी भी व्यक्ति को बगैर कारण बताये गिरफ्तार करने और जेल में रखने की छूट देता है।

लक्षद्वीप की स्थानीय आबादी में अपराध बहुत कम हैं। नागरिक प्रशासन पंचायतों द्वारा संचालित है, लेकिन नए प्रावधान में किसी भी ऐसे व्यक्ति को चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं है, जिसके दो से अधिक बच्चे हों। जनप्रतिनिधि कहते हैं कि 'लक्षद्वीप में जो अभी हो रहा है, वह पीढ़ियों से विकसित हुई लोक-मान्यताओं और उनके प्राकृतिक पर्यावास को बदलने की कोशिश है।' पर्यटन बढ़ाने के नाम पर लक्षद्वीप समूह में शानदार पर्यटन विला विकास की योजना से स्थानीय पर्यावरण और समुदाय प्रभावित होंगे। स्थानीय लोगों का मानना है कि इससे प्राकृतिक वातावरण और द्वीप निवासियों की पारंपरिक जीवनशैली, विशेषकर अनुसूचित जनजातियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। बेहतर होता कि नए प्रावधान को लागू करने से पहले यहां के जनप्रतिनिधियों से विमर्श किया जाता।

कच्चा और पका हुआ सरसों का साग विटामिन K का एक अभूतपूर्व स्रोत हैं, जो प्रति कप (56 ग्राम और 140 ग्राम) क्रमशः 120 प्रतिशत और 690 प्रतिशत DV प्रदान करते हैं।

वजन कम करे

डाइटरी फाइबर से भरपूर सब्जियां जैसे सरसों का साग, मेटाबॉलिज्म को रेगुलेट करने और स्वस्थ शरीर के वजन को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद फाइबर कंटेंट आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखती है, जिससे आपको भूख कम लगती है और आप ज्यादा खाने से बच जाते हैं। वहीं डायबिटीज के मरीजों के लिए सरसों के साग का सेवन बहुत फायदेमंद होता है, क्योकि सरसों के साग में बहुत से ऐसे पोषक तत्व होते है जो ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने का काम करते है। इसलिए सर्दियों में डायबिटीज के मरीजों को साग का सेवन करना चाहिए।

अस्थमा में फायदेमंद

सरसों के साग में विटामिन सी होता है, जो हिस्टामाइन के टूटने में मदद करता है। यह एक इंफ्लेमेटरी केमिकल है, जो अस्थमा के रोगियों में बड़ी मात्रा में प्रोड्यूस होता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद मैग्नीशियम कंसन्ट्रेशन ब्रोन्काइयल पैसेज और फेफड़ों को आराम देता है। वहीं सरसों का साग हड्डियों के लिए बहुत लाभदायक होता है, सरसों के साग में प्रचुर मात्रा में कैल्शियम और पोटेशियम पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होता है।

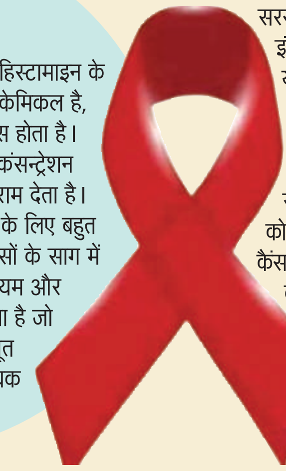

कैंसर से बचाए

सरसों का साग अपने एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण कैंसर से लड़ता है। यह ब्लैडर, कोलन, ब्रेस्ट, फेफड़े, प्रोस्टेट और ओवरी के कैंसर से बचने में फायदेमंद हो सकता है। सरसों के साग में ग्लूकोसाइनोलेट्स नामक लाभकारी पौधों के यौगिकों का एक समूह उच्च मात्रा में होता है। ग्लूकोसाइनोलेट्स को डीएनए क्षति से कोशिकाओं की रक्षा करने और कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद करने के लिए दिखाया गया है। हालांकि, इन लाभों का मनुष्यों में अध्ययन नहीं किया गया है। इसी तरह, सरसों की पत्ती के अर्क के एक टेस्ट-ट्यूब अध्ययन में कोलन और फेफड़ों के कैंसर के खिलाफ सुरक्षात्मक प्रभाव पाया गया।

स्वादिष्ट ही नहीं गुणों का खजाना भी है

सरसों का साग

सर्दियों में मौसम में लोग अक्सर हरी पत्तेदार सब्जियों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं। यह मौसम कड़ाके की ठंड के साथ ही खानपान के लिए भी जाना जाता है। इस मौसम में अलग-अलग तरह की हरी पत्तेदार सब्जियां बाजार में देखने को मिलती हैं। स्वादिष्ट होने के साथ ही ये सेहत के लिए भी काफी गुणकारी होती है। सरसों का साग और मक्के की रोटी खाने में तो स्वादिष्ट होते ही है लेकिन सेहत के लिए भी यह काफी गुणकारी होती है। सरसों का साग इन्हीं हरी पत्तेदार सब्जियों में से एक है, जिसे कई लोग बड़े चाव से खाते हैं। शायद ही कोई ऐसा हो, जिसने सरसों का साग और मक्के की रोटी का स्वाद नहीं चखा होगा। इसके बेहतरीन स्वाद की ही वजह से लोग इसे बड़े चाव से खाते हैं। इसमें फाइबर, मिनरल और विटामिन की काफी ज्यादा मात्रा पाई जाती है और इसमें कैलोरी भी कम होती है। अगर आप सरसों का साग सिर्फ इसके स्वाद के लिए खाते हैं, तो इसके फायदे जानकर आप इसे बार-बार खाने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण

सरसों के साग में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो सूजन कम करने में मदद सकते हैं। लंबे समय तक सूजन रहने से कैंसर, हृदय रोग, रुमेटाइड गठिया और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में सरसों के साग में मौजूद विटामिन के और ओमेगा-3 फैटी एसिड इन बीमारियों से बचाने में मददगार है। लाल किस्में एंथोसायनिन से भरपूर होती हैं, जो फलों और सब्जियों में पाए जाने वाले लाल-बैंगनी रंग के होते हैं, जो हृदय रोग, कैंसर और टाइप 2 मधुमेह के कम जोखिम से जुड़े होते हैं कुल मिलाकर, अपने आहार में सरसों का साग शामिल करने से ऑक्सीडेटिव तनाव से संबंधित बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है।

दिल के लिए फायदेमंद

स्वादिष्ट सरसों का साग आपके दिल की सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। यह कोलेस्ट्रॉल कम करने में सहायता करता है और फोलेट का एक बढ़िया स्रोत होता हैं। फोलेट होमोसिस्टीन एक्यूमुलेशन को रोकने में मदद कर सकता है, जो दिल की बीमारियों का एक जोखिम कारक है। सरसों के साग में फ्लेवोनोइड्स और बीटा कैरोटीन जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरे हुए हैं, जो हृदय रोग से विकसित होने और मरने के कम जोखिम से जुड़े हुए हैं अध्ययनों में पाया गया कि पत्तेदार हरी ब्रैसिका सब्जियों का अधिक सेवन हृदय रोग के जोखिम को 15 प्रतिशत तक कम कर देता है अन्य ब्रैसिका सब्जियों की तरह , सरसों के साग में ऐसे यौगिक होते हैं जो आपके पाचन तंत्र में पित्त एसिड को बांधने में मदद करते हैं।

हंसना मना है

गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं, कंडक्टर- अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लड़का- ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले, क्यूंकि मैं एक शेर कि औलाद हुं। लड़की- अच्छा तो एक बात बता शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थी।

लड़का- मैं उस लड़की से शादी करुंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका- मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है।

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं...

कहानी | गौरैया और घमंडी हाथी

एक पेड़ पर एक चिड़िया अपने पति के साथ रहा करती थी। चिड़िया सारा दिन अपने घोंसले में बैठकर अपने अंडे सेती रहती थी और उसका पति दोनों के लिए खाने का इंतजाम करता था। वो दोनों बहुत खुश थे और अंडे से बच्चों के निकलने का इंतजार कर रहे थे। एक दिन चिड़िया का पति दाने की तलाश में अपने घोंसलें से दूर गया हुआ था और चिड़िया अपने अंडों की देखभाल कर रही थी। तभी वहां एक हाथी मदमस्त चाल चलते हुए आया और पेड़ की शाखाओं को तोड़ने लगा। हाथी ने चिड़िया का घोंसला गिरा दिया, जिससे उसके सारे अंडे फूट गए। चिड़िया को बहुत दुख हुआ। उसे हाथी पर बहुत गुस्सा आ रहा था। जब चिड़िया का पति वापस आया, तो उसने देखा कि चिड़िया हाथी द्वारा तोड़ी गई शाखा पर बैठी रो रही है। चिड़िया ने पूरी घटना अपने पति को बताई, जिसे सुनकर उसके पति को भी बहुत दुख हुआ। उन दोनों ने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का निर्णय लिया। वो दोनों अपने एक दोस्त कठफोड़वा के पास गए और उसे सारी बात बताई। कठफोड़वा बोला कि हाथी को सबक मिलना ही चाहिए। कठफोड़वा के दो दोस्त और थे, जिनमें से एक मधुमक्खी थी और एक मेंढक था। उन तीनों ने मिलकर हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई, जो चिड़िया को बहुत पसंद आई। अपनी योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने हाथी के कान में गुनगुनाना शुरू किया। हाथी जब मधुमक्खी की मधुर आवाज में खो गया, तो कठफोड़वे ने आकर हाथी की दोनों आखें फोड़ दी। हाथी दर्द के मारे चिल्लाने लगा और तभी मेंढक अपने परिवार के साथ आया और एक दलदल के पास टर्रटराने लगा। हाथी को लगा कि यहां पास में कोई तालाब होगा। वह पानी पीना चाहता था, इसलिए दलदल में जाकर फंसा। इस तरह चिड़िया ने मधुमक्खी, कठफोड़वा और मेंढक की मदद से हाथी से बदला ले लिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ

विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है।

मिथुन

भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा।

कर्क

व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कन्या

रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

तुला

आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

वृश्चिक

शुभ समाचार मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु

नई योजना बनेगी। आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते है।

मकर

किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा। नौकरी में शांति रहेगी। कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है।

कुम्भ

किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

मीन

धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें।

विद्या बालन की फिल्म दो और दो प्यार का फर्स्ट लुक जारी

विद्या बालन के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री की नई फिल्म का एलान हो गया है। इसमें वे प्रतीक गांधी और इलियाना डिक्रूज के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। फिल्म का नाम है दो और दो प्यार। इस आगामी फिल्म का आज फर्स्ट लुक जारी किया गया है और साथ ही इसकी रिलीज से भी पर्दा उठा दिया गया है। फिल्म इसी साल दर्शकों के बीच पहुंचेगी।

विद्या बालन, प्रतीक गांधी, इलियाना और सेंधिल रामामूर्ति अभिनीत फिल्म दो और दो प्यार का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। आज फिल्म का फर्स्ट लुक भी जारी हो गया है। इस फिल्म के निर्माता अपलोज एंटरटेनमेंट औरर एलिप्सिस एंटरटेनमेंट हैं। मेकर्स ने इंस्टाग्राम हैंडल से फर्स्ट लुक जारी किया है। इसके साथ लिखा है, इस मौसम में प्यार आपको आश्चर्यचकित कर दे, आपको भ्रमित कर दे! इसके साथ बताया गया है कि फिल्म 29 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विद्या बालन और इलियाना डिक्रूज ने बीते दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर फैंस संग एक पोस्ट साझा किया था। अब इन दोनों हसीनाओं के इस पोस्ट से पर्दा हट गया है। फिल्म दो और दो प्यार के पोस्टर पर चारों सितारे नजर आ रहे हैं। फिल्म के एलान के साथ दर्शकों के बीच बेहद खुशी है। सभी कमेंटबॉक्स में अपनी प्रतिक्रियाएं दर्ज करा रहे हैं।

पोस्टर में देखा जा सकता है कि विद्या बालन की जोड़ी सेंधिल के साथ तो वहीं इलियाना एक्टर प्रतीक गांधी संग इश्क फरमाती नजर आएंगी। फिल्म दो और दो प्यार को फिल्म निर्माता श्रृषा गुहा ठाकुरता ने निर्देशित किया है। यह इनकी डेब्यू फिल्म है। ये फिल्म वर्ष 2017 में आई विदेशी फिल्म द लवर्स की कहानी पर फिल्म आधारित है, जो एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर बात करती है। विद्या बालन के वकफ्रंट की बात करें तो बीते वर्ष अभिनेत्री फिल्म नीयत में नजर आई थीं। ये फिल्म सात जुलाई 2023 को रिलीज हुई। इस फिल्म के जरिए अभिनेत्री चार साल बाद थिएटर में लौटीं।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने उकसावे के बावजूद कभी भी बिग बॉस के नियमों का उल्लंघन नहीं किया : समर्थ

बिग बॉस 17 से समर्थ जुरेल का सफर खत्म हो चुका है। उनका जाना कई लोगों को अच्छा लगा, तो कुछ को उनका एविक्ट पसंद नहीं आया। समर्थ को अभिषेक को पोक करने और उनसे थप्पड़ खाने के बाद एविक्ट किया गया। इस इंसीडेंट के बाद से ही वह यूजर्स के निशाने पर थे। उन्हें बिग बॉस के फैसले पर ही बाहर किया गया। समर्थ जुरेल को दर्शकों का खूब प्यार मिला था मगर जबसे उन्होंने अभिषेक और ईशा के मुद्दे में घुसना शुरू किया तभी से उनकी पॉप्युलैरिटी धीरे-धीरे कम हो चली गई। हालांकि, उनकी एक गलती की वजह से उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया और वह फिनाले तक पहुंचने से चूक गए। शो से बाहर आने के बाद उन्होंने अपने एलिमिनेशन और बिग बॉस में सफर के बारे में बात की है। समर्थ ने जब शो में एंट्री ली थी, तब बताया था कि वह ईशा के ब्वॉयफ्रेंड हैं। शुरुआत में ईशा ने उन्हें अपना बॉयफ्रेंड मानने से इंकार कर दिया था, लेकिन बाद में कबूल किया कि वह दोनों रिलेशन में हैं। इस शो में बाकी कंटेस्टेंट्स के साथ लड़ाई के अलावा समर्थ और ईशा की शानदार बॉन्डिंग भी देखने को मिली। अब जब वह शो से बाहर हो चुके हैं तो उन्होंने अपने एविक्शन पर बात की है। समर्थ ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वह शो से एलिमिनेट होना डिजर्व करते थे। मीडिया को दिए इंटरव्यू में समर्थ ने कहा कि घर में किसी बेहूदा हरकत से लाइमलाइट गेन करने के बगैर मैंने अपनी पर्सनैलिटी डिस्कवर की। मैंने अपनी प्रेजेंस फील कराई और साबित किया कि ईशा से रिलेशन के बगैर भी मेरी पर्सनैलिटी है। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि मैंने उकसावे के बावजूद कभी भी घर के नियमों का उल्लंघन नहीं किया और जिस तरह से मेरे पेरेंट्स ने मुझे पाला, उसी के अनुसार जीया। दर्शकों द्वारा हरी झंडी और मनोरंजन के रूप में मनाया जाना वास्तव में खुशी की बात है। समर्थ ने कहा, बिग बॉस में बड़े फिल्म और टेलीविजन स्टार्स को देखने का सुनहरा मौका था। वह जिन्हें मैंने एडमायर किया है, उन्हें देखने का बड़ा मौका था। मुझे नहीं लगता कि मेरा बाहर निकलना उचित था। घर में आए हर स्टार मेहमान ने मेरे द्वारा लाए गए मनोरंजन को स्वीकार किया। मुझे उम्मीद है कि व्यूअर्स भी मेरी मस्ती से एंटरटेन हुए होंगे।

50 साल में ट्विंकल खन्ना हुईं ग्रेजुएट

अक्षय कुमार की बीवी ट्विंकल खन्ना फिल्मों से दूरी बना चुकी हैं। फिल्मों को छोड़ एक्ट्रेस ने राइटिंग को करियर बना लिया है। इसके साथ ही लगे हाथ उन्होंने अपनी अधूरी पढ़ाई को भी पूरा कर लिया है। जी हां, ट्विंकल खन्ना ने 50 साल की उम्र में मास्टर्स पूरी की है। इस बात की जानकारी अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर शेयर की।

अक्षय कुमार इंस्टाग्राम पर ट्विंकल खन्ना के साथ फोटो शेयर की है। कैप्शन में एक्टर ने लिखा- दो साल पहले जब तुमने मुझसे कहा था कि तुम फिर से पढ़ना चाहती हो तो मैं चौंक गया था, लेकिन जिस दिन मैंने तुम्हें इतनी मेहनत करते देखा उस दिन मुझे एहसास हुआ कि मैंने एक सुपरवुमन से शादी की है। अक्षय ने आगे लिखा कि-तुमने घर, करियर और अपने बच्चों के साथ ही एक स्टूडेंट लाइफ। सब कुछ संभाला। आज तुम्हारे ग्रेजुएशन पर मैं ये सोच रहा हूं कि मैंने भी थोड़ा और पढ़ लिया होता ताकि मुझे इतने शब्द मिल सकते और मैं तुम्हे बता सकूं कि तुम मुझे कितना गर्व महसूस कराती हो, टीना...बधाई हो और आई लव यू.

बेटे के साथ लिया था एडमिशन

बता दें कि ट्विंकल खन्ना ने दो साल पहले अपने बेटे आरव के साथ लंदन की यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया था। एक्ट्रेस ने फिक्शन राइटिंग मास्टर प्रोग्राम पूरा कर लिया है ट्विंकल को ग्रेजुएट होने पर हर कोई उन्हें ढेर सारी बधाई दे रहा है।

वहीं दूसरी तरफ ट्विंकल खन्ना ने भी पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में वो अपनी डिग्री लेती दिख रही हैं। इस पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने लिखा है कि-और ये है मेरा ग्रेजुएशन डे... गोल्डस्मिथ्स में मेरा पहला दिन ऐसा लगता है जैसे कि ये कल या कई सालों पहले की ही बात हो। सुंदर धूम, सुंदर साड़ी और मेरे साथ मेरा परिवार इस दिन को और खास बना रहा है जितना मैंने कभी सोचा था। हमें हमेशा अपने आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करते रहना चाहिए।

ये है दुनिया की सबसे अनोखी मछली उकसाने पर गुस्से में बदल लेती है रंग

सेलेब्स मेडका दुनिया की सबसे अनोखी मछली है। उकसाने पर नर सेलेब्स मेडका अपना रंग बदल सकता है। वह गुस्से में एक मिनट के अंदर काला पड़ सकता है। इंडोनेशियाई प्रजाति की इस मछली की रंग बदलने की खूबी ने जानकारों को हैरान कर दिया है। वैसे ये मछली चांदी जैसे रंग की होती है, जिसके पुच्छीय पंखों पर पीले से नारंगी रंग की धारियां होती हैं। इसके निचले हिस्से में डार्क ब्राउन से ब्लैक रंग के निशान होते हैं।

लाइव साइंस की रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया कि इंडोनेशिया की आक्रामक छोटी नर मछलियां अपना प्रभुत्व दिखाने के लिए क्रोधित होने पर काली हो जाती हैं। रिसर्चर्स ने प्रीप्रिंट रिपॉजिटरी BioRxiv में 24 दिसंबर 2023 को बताया कि जब ये नर मछलियां अन्य किसी पर हमला करने को होते तब इनके शरीर पर काले निशान अधिक होते हैं और संघर्ष शुरू होने के एक मिनट के भीतर ही ये निशान दिखाई देने लगते हैं। इस मछली का साइंटिफिक नाम ओरीजियास सेलेबेंसिस है। हालांकि, रिसर्चर्स ने इस बात का एनालिसिस नहीं किया है कि आखिर ये नर मछलियां कैसे अपना रंग बदलती हैं और क्यों काले रंग की हो जाती हैं। सेलेब्स मेडका के मामले में, यह रंग परिवर्तन संभवतः मेलानोफोरस कोशिकाएं के कारण होता है, जिनमें गहरे रंग के कण होते हैं, जिन्हें मेलानोसोम्स कहा जाता है। रंग बदलने की यह घटना अन्य मछली प्रजातियों में भी देखी जाती है। जैसे-ट्रिनिडाडियन गप्पियों (पोसीलिया रेटिकुलाटा) मछलियां जब अपने प्रतिद्वंदी पर हमला करने वाली होती हैं, तो उनकी आंखें काले रंग की हो जाती हैं। यह मछली अधिकतम 4.5 सेंटीमीटर की लंबाई तक बढ़ सकती है। सेलेब्स मेडका एक छोटी, शांतिपूर्ण मछली है, जो इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप और पूर्वी तिमोर की एक नदी की मूल निवासी है। यह राइसफिश के एड्रियानिचथिडे फैमिली की सदस्य है। सेलेब्स मेडका एक स्कूलिंग फिश है, जिसे समान आकार की अन्य शांतिपूर्ण मछलियों के साथ रखा जाना चाहिए। एक्वेरियम के किनारों और पृष्ठभूमि पर घने पौधे होने चाहिए, बीच में तैराकी के लिए पर्याप्त खुली जगह होनी चाहिए।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है दुनिया का अनोखा मुल्क

यहां हर 14 घंटे में होता है एक आतंकी हमला, हर साल बढ़ती जा रही तबाही

आतंक प्रभावित देशों का जिक्र किया जाए तो अफगानिस्तान से सोमालिया तक और बुर्किना फासो से माली तक कई देशों के नाम सामने आएंगे। जहां हर हफ्ते कोई न कोई आतंकी वारदात हो जाती है। लेकिन दुनिया में एक मुल्क ऐसा भी है, जहां हर 14 घंटे में एक आतंकी हमला होता है। इतना ही नहीं, हर साल तबाही बढ़ती ही जा रही है। नाम जानकर शायद आप चौंक जाएंगे। हालात देखकर आप कहेंगे, ये तो आतंकी मुल्क बनने की राह पर है।

'द इंस्टिट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पीस' और 'ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स' ने कुछ महीने पहले आतंकवाद को लेकर अपनी रिपोर्ट जारी की थी। इसमें पहले नंबर पर अफगानिस्तान को रखा गया है। उसे 10 में से 8.82 अंक मिले हैं। इसके बाद बुर्किना फासो, सोमालिया, माली, सीरिया, पाकिस्तान, इराक, नाइजीरिया और म्यांमार हैं। पाकिस्तान को छठें नंबर पर रखा गया है और उसकी रैंकिंग 8.16 है। लेकिन कहानी कुछ और ही है। पाकिस्तान में पिछले साल सबसे ज्यादा आतंकी हमले हुए।

आतंक प्रभावित देशों का जिक्र किया जाए तो अफगानिस्तान से सोमालिया तक और बुर्किना फासो से माली तक कई देशों के नाम सामने आएंगे। जहां हर

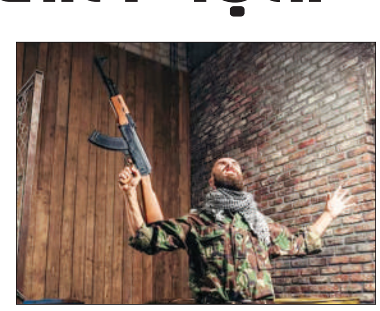

हफ्ते कोई न कोई आतंकी वारदात हो जाती है। लेकिन दुनिया में एक मुल्क ऐसा भी है, जहां हर 14 घंटे में एक आतंकी हमला होता है। इतना ही नहीं, हर साल तबाही बढ़ती ही जा रही है. नाम जानकर शायद आप चौंक जाएंगे। हालात देखकर आप कहेंगे, ये तो आतंकी मुल्क बनने की राह पर है। 'द इंस्टिट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पीस' और 'ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स' ने कुछ महीने पहले आतंकवाद को लेकर अपनी रिपोर्ट जारी की थी। इसमें पहले नंबर पर अफगानिस्तान को रखा गया है। उसे 10 में से 8.82 अंक मिले हैं। इसके बाद बुर्किना फासो, सोमालिया, माली, सीरिया, पाकिस्तान, इराक, नाइजीरिया और म्यांमार हैं। पाकिस्तान को छठें नंबर पर रखा गया है और उसकी रैंकिंग 8.16 है। लेकिन कहानी कुछ और ही है। पाकिस्तान में पिछले साल सबसे ज्यादा आतंकी हमले हुए। इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्षों के मुकाबले 2023 में 70 फीसदी ज्यादा आतंकी वारदातें हुई। इनमें मरने वालों की संख्या 81 फीसदी ज्यादा है। जबकि घायलों की संख्या 62 फीसदी ज्यादा रही। रिपोर्ट से पता चलता है कि 2023 में पाकिस्तान में कम से कम 645 आतंकवादी हमले हुए, जिनमें 976 लोग मारे गए और 1,354 घायल हुए। यानी हर 14 घंटे में एक आतंकी हमला हुआ और लोगों की जानें गईं। 2022 के आंकड़े 380 हमले थे, जिनमें 539 लोग मारे गए और 836 घायल हुए। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, रिपोर्ट कहती है कि 2023 में इतने भयानक हमले हुए कि एक दशक के सारे रिकॉर्ड टूट गए। उनका मानना है कि पड़ोसी अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से हिंसा लगातार बढ़ रही है। अगर देश के सुरक्षा बलों ने वर्ष के दौरान सैकड़ों हमलों और प्रयासों को विफल नहीं किया होता तो और अधिक लोग मारे जाते या घायल होते। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि ज्यादातर हमले पाकिस्तानी तालिबान द्वारा किए गए।

नीति आयोग फर्जी आंकड़ों से पीएम का कर रहा जय-जयकार : जयराम

» कांग्रेस ने गरीबी पर थिंक टैंक की रिपोर्ट को नकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सार्वजनिक नीति थिंक टैंक की उस रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयजयकार है कि पिछले नौ वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। नीति आयोग और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने संयुक्त रूप से बहुआयामी गरीबी सूचकांक पर एक चर्चा पत्र जारी किया है जो देश में बहुआयामी गरीब आबादी की संख्या में गिरावट की दर का अध्ययन करने का प्रयास करता है।

रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने रिपोर्ट को खारिज कर दिया, इसे फर्जी बताया और नीति आयोग को पीएम के लिए ढोल बजाने वाला कहा। कोई भी शरीर द्वारा जारी आंकड़ों पर विश्वास नहीं कर सकता है। हर विशेषज्ञ ने रिपोर्ट की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पार्टी के बयान को और स्पष्ट करने के लिए कल इस मुद्दे पर एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने राहुल गांधी के नेतृत्व वाले पैदल मार्च, भारत जोड़ो न्याय यात्रा की दूसरी किस्त पर कटाक्ष किया और नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए संकेत दिया कि वास्तविक न्याय कौन कर रहा है। दरअसल, राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एनएमपीआई) का उपयोग करते हुए, अध्ययन में पाया गया कि 2013-14 के बाद से भारत में लगभग 24.82 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत 2030 से पहले बहुआयामी गरीबी को आधा करने के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के लक्ष्य को हासिल कर लेगा। इसमें सबसे कमजोर और वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार के निरंतर समर्पण और दृढ़ प्रतिबद्धता को श्रेय दिया गया है।

अयोध्या जनआस्था का केंद्र नहीं बल्कि लाखों लोगों के रोजगार का माध्यम बना: सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 30 दिसंबर के बाद से अलग-अलग डेस्टिनेशन के लिए अयोध्या की कनेक्टिविटी बढ़ती जा रही है। 17 जनवरी को अयोध्या से हम एक नई वायु सेवा प्रारंभ करने जा रहे हैं। यानी अयोध्या अंतरराष्ट्रीय उड़ान भरने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 821 एकड़ लैंड एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को उपलब्ध करा चुकी है। इसके दृष्टिगत हम सारी औपचारिकताएं पूरी कर चुके हैं। आज अयोध्या केवल जनआस्था का केंद्र नहीं बल्कि लाखों लोगों के रोजगार का माध्यम बन रहा है। अब अयोध्या की गलियों में गोलियां नहीं चलती हैं बल्कि दीपोत्सव होता है। आज की अयोध्या कर्फ्यू के दौर से नहीं गुजर रही है बल्कि राम नाम के संकीर्तन की गूंज से गुंजायमान हो रही है।

पीएम ने नगालैंड के लोगों से झूठ बोला : राहुल गांधी

» कांग्रेस नेता ने कहा- 9 साल पहले किया वादा नहीं किया पूरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोहिमा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने को नगा शांति समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरा है। उन्होंने कहा है कि अगर पीएम मोदी के पास शांति समझौते का समाधान नहीं था तो फिर उन्हें झूठ नहीं बोलना चाहिए था। राहुल इन दिनों कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत मणिपुर से हुई। वर्तमान में ये यात्रा नगालैंड पहुंची है, जहां उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए शांति समझौते को लेकर बात की।

नगालैंड के मोकोकचुंग में लोगों से शांति समझौते को लेकर बात करते हुए कांग्रेस नेता राहुल ने कहा, मुझे शर्म आती है कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 साल पहले नगालैंड के लोगों से वादा किया था, लेकिन इस बारे में कुछ नहीं किया। अगर आपके पास कोई समाधान नहीं है तो आपको इस बारे में झूठ नहीं बोलना चाहिए। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ये कह सकते थे कि अभी हमें समाधान पर काम करने की जरूरत है और हम इस पर काम करेंगे। भारत जोड़ो न्याय यात्रा सोमवार (15 जनवरी) शाम को नगालैंड में पहुंची। राहुल ने कहा कि मैंने नगा नेताओं से बात की है। वे इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि अभी तक शांति समझौते की दिशा में कोई कदम क्यों नहीं उठाया गया है, हमें ये भी नहीं मालूम है कि पीएम मोदी समाधान को लेकर क्या सोचते हैं। ये एक ऐसी समस्या है, जिसके लिए बातचीत करनी होगी, एक-दूसरे को सुनना और समाधान लागू करने पर काम करना होगा।

नगा होहो ने राहुल गांधी से की मुलाकात

नगालैंड के सबसे प्रभावी संगठनों में से एक नगा होहो ने राहुल गांधी से मुलाकात की है। संगठन ने राहुल से 2015 में साइन किए गए नगा शांति समझौते के लागू नहीं होने पर चिंता जताई। उनका कहना है कि 2015 के समझौते के तहत तय किए गए फ्रेमवर्क को अभी तक लागू नहीं किया गया है। राहुल ने कहा कि हमने संगठन से कहा है कि हम नगालैंड के लोगों को न्याय दिलवाकर ही रहेंगे।

महुआ को सरकारी बंगला खाली करने की नोटिस पर रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कैश फॉर क्वेरी मामले में सांसदी गंवाने वाली महुआ को अब सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस मिला है। इसके बाद टीएमसी ने बीजेपी को घेरा है। टीएमसी के नेता ने कहा कि विपक्षियों को मोदी सरकार परेशान कर रही है। नोटिस में सख्त लहजे में टीएमसी नेता महुआ से कहा गया है कि वह तुरंत उस बंगले को खाली करें, जिसे उन्हें एक लोकसभा सांसद के तौर पर अलॉट किया गया था।

महुआ वर्तमान में इसी सरकारी बंगले में रह रही हैं। टीएमसी नेता को संपदा निदेशालय की तरफ से नोटिस जारी किया गया है। संपदा निदेशालय सरकारी संपत्तियों को मैनेज करने का काम करता है। नोटिस में कहा गया है कि अगर महुआ खुद से बंगले को खाली नहीं करती हैं तो उन्हें और वहां रह रहे अन्य लोगों को परिसर से बेदखल किया जाएगा। अगर जरूरत पड़ती है, तो इसके लिए बलप्रयोग भी किया जा सकता है।

पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ईडी के सामने हुए पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» मानेसर लैंड स्कैम मामले में पूछताछ

अंबाला। प्रवर्तन निदेशालय की टीम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से पूछताछ कर रही है। उनसे यह पूछताछ मानेसर लैंड स्कैम में हो रही है। मालूम हो हरियाणा की पूर्व हुड्डा सरकार के कार्यकाल में हुए बहुचर्चित मानेसर जमीन घोटाला मामला सामने आया था। इसी मामले में अन्य आरोपियों के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा को भी आरोपित बनाया गया था।

आरोप है कि अगस्त 2014 में निजी बिल्डरों ने हरियाणा सरकार के अज्ञात लोगों के साथ मिलीभगत कर गुरुग्राम के मानेसर, नौरंगपुर और नखड़ौला आदि गांवों के किसानों को भूमि अधिग्रहण का डर दिखाकर उनकी करीब 400 एकड़ जमीन सस्ते दाम में खरीद ली थी। जिसे हुड्डा सरकार के कार्यकाल के दौरान करीब 900 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर उसे बिल्डर्स को औने-पौने दाम में बेच दिया था।

मणिशंकर अय्यर की बेटी के संस्थान का एफसीआरए पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने नई दिल्ली में अग्रणी सार्वजनिक नीति अनुसंधान संस्थान सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) के विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2020, (एफसीआरए पंजीकरण) को रद्द कर दिया। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एक थिंक टैंक है जिसका नेतृत्व कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की बेटी यामिनी अय्यर करती हैं। अधिकारियों के अनुसार, पंजीकरण रद्द करने की कार्रवाई तब की गई जब यह पता चला कि संस्था एफसीआरए नियमों का उल्लंघन कर रही है। थिंक टैंक पहले से ही सरकार की जांच के दायरे में था और पहले एक आयकर सर्वेक्षण से गुजर चुका था। सितंबर 2022 में आयकर विभाग ने सीपीआर और दो अन्य संगठनों ऑक्सफैम इंडिया और बेंगलुरु स्थित इंडिपेंडेंट एंड पब्लिक-स्पिरिटेड मीडिया फाउंडेशन (आईपीएसएमएफ) के खिलाफ उनकी विदेशी फंडिंग की जांच के लिए एक सर्वेक्षण अभियान चलाया। पिछले साल सरकार ने सीपीआर का एफसीआरए लाइसेंस 180 दिनों के लिए निलंबित कर दिया था। बाद में निलंबन को 180 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया। सीपीआर 1973 से एक अग्रणी नीति थिंक-टैंक है, जो भारत की 21वीं सदी की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए नीति-प्रासंगिक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर उन्नत और गहन शोध करता है।

हाई रोमांच पर जाकर खत्म हुआ मैच, भारत जीता

पहले स्कोर टाई... फिर सुपर ओवर भी टाई, दूसरे सुपर ओवर में हारा अफगानिस्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का अंत इस रोचक ढंग से होगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। सीरीज के शुरुआती दो मुकाबले एकतरफा होने के बाद यही कयास लगाए जा रहे थे कि तीसरा मुकाबला भी टीम इंडिया एकतरफा ही जीतेगी लेकिन यहां अफगान टीम ने खूब लड़ाई लड़ी। हालत यह रही कि इस टीम ने 212 रन के विशाल टारगेट का दमदार अंदाज में पीछा करते हुए स्कोर टाई करा लिया।

मैच सुपर ओवर में गया तो यहां भी पिछड़ने के बाद इस टीम ने वापसी की और सुपर ओवर स्कोर टाई करा दिया। मैच के नतीजे के लिए एक और सुपर ओवर कराना पड़ा, जहां अफगान टीम ने आखिरकार घुटने टेक दिए। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जब रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी तो 22 रन पर ही 4 विकेट गिर गए थे। यहां रोहित शर्मा (129) और रिंकू सिंह (69) ने नाबाद 190 रन की साझेदारी कर टीम इंडिया को 212 रन तक पहुंचाया। इसके बाद अफगानिस्तान के दोनों ओपनर ने अर्धशतक जमाकर मैच में रोमांचकता बनाए रखी। बाद में मोहम्मद नबी (34) और गुलबदीन नईब (55) की ताबड़तोड़ पारियों ने मैच को टाई कराया। यहां आखिरी ओवर में अफगानिस्तान को जीत के लिए 19 रन की दरकार थी और गुलबदीन ने 18 रन जड़कर स्कोर लेवल कराया।

फोटो: सुमित कुमार

राम की अगवानी के लिए सज गई अयोध्या नगरी

पूरे अयोध्या को त्रेतायुग थीम से सजाया जा रहा है। सड़कों के किनारे लग रहे सूर्य स्तंभ भगवान राम के सूर्यवंशी होने के प्रतीक को दर्शाते हैं। उद्घाटन से पहले ही देश-दुनिया से आमजन की श्रद्धा का हुजूम अयोध्या जी में उमड़ने लगा है। धर्म पथ के सड़कों के किनारों पर दीवार बन रही है जिस पर रामायण काल के प्रसंगों को दर्शाया जा रहा है, दीवारें टेराकोटा फाइन क्ले म्यूरल कलाकृतियों से सजायी जा रही हैं जो त्रेतायुग की याद दिला रही हैं। वहीं अयोध्या में अब रंग रोगन, साफ सफाई और कलाकृति का काम हर तरफ नजर आता है।

रैलियों में नफरती भाषणों पर डीएम व एसपी रखें नजर: सुप्रीम कोर्ट

टी राजा सिंह की रैली पर रोक से कोर्ट का इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी नेता और तेलंगाना की गोशामहल विधानसभा सीट से विधायक टी राजा सिंह की 19 से 25 जनवरी के बीच रायपुर में होने वाली रैलियों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि, बुधवार (17 जनवरी) को हुई सुनवाई में कोर्ट ने रायपुर के डीएम और एसपी से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि हिंदू जन जागृति समिति रैली में कोई नफरती भाषण न दिया जाए।

जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने रैली पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि हेट स्पीच का जो भी आरोप है उसमें संबंधित पक्ष कोर्ट के सामने नहीं हैं लेकिन हम एसपी और डीएम को निर्देश देते हैं कि वह अधिकार क्षेत्र में हेट स्पीच न होने दें। दोनों यह सुनिश्चित करें। रैली वाली जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं जिनमें इवेंट की रिकॉर्ड होगी और अगर इस तरह की कोई भी घटना होती है तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा सकेगी।

दूसरे पक्ष को सुने बिना आदेश पारित नहीं कर सकता कोर्ट

पीठ ने यह भी कहा कि जिन लोगों के खिलाफ आरोप लगाए जा रहे हैं, उन्हें याचिका में पक्षकार नहीं बनाया गया है। यदि हम यह आदेश पारित करते हैं, जिसकी आप मांग कर रहे हैं तो इसका कुछ व्यक्तियों पर प्रभाव पड़ेगा। क्या उन्हें यहां पार्टी बनाया गया है? हम उनकी बात सुने बिना आदेश कैसे पारित कर सकते हैं? जब सिब्बल ने कहा कि ऐसी घटनाएं बार-बार हुई हैं तो जज ने कहा कि उसके पहले के आदेशों के बाद बदलाव भी हुआ है। वहां एक सकारात्मक हिस्सा था, केवल नकारात्मकता को ही क्यों देखें?।

शाहीन अब्दुल्ला की ओर से याचिका दी थी। इसमें कहा गया था कि 19-25 जनवरी के बीच सिंह की रायपुर रैलियों में नफरत फैलाने वाला भाषण हो सकता है, इसलिए इस पर रोक लगाई जाए, सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि जो लोग इन आगामी रैलियों को संबोधित करेंगे, उनके खिलाफ पहले से ही एफआईआर दर्ज हैं, हालांकि, अदालत ने कहा कि वह पहले से कार्रवाई नहीं कर सकती है, यदि कोई हेट स्पीच होता है तो वहां की सरकार कार्रवाई कर सकती है।

बिलकिस बानो केस के तीनों दोषी पहुंचे सुप्रीम चौखट पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिलकिस बानो केस में तीन दोषियों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दोषियों ने कोर्ट से समर्पण की अवधि बढ़ाने की अपील की है। इन दोषियों ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए कुछ समय की छूट मांगी है।

गुजरात के चर्चित बिलकिस बानो केस में सुप्रीम कोर्ट ने 08 जनवरी 2024 को अहम फैसला सुनाया था। जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने बिलकिस बानो केस में 11 दोषियों को बरी करने के गुजरात सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में दोषियों को दो हफ्ते में सरेंडर करने के लिए कहा था।11 दोषियों में से तीन ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन दाखिल कर समर्पण की अवधि बढ़ाने की मांग की है। कोर्ट से गोविंद नाई ने 4 सप्ताह, जबकि मितेश भट्ट और रमेश चांदना ने 6 सप्ताह की मोहलत मांगी है। इन दोषियों ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। दरअसल, 2002 में गुजरात में गोधरा स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस के कोच को जला दिया गया था। इसके बाद गुजरात में दंगे फैल गए थे।

फोटो: 4पीएम

धरना अपनी मांगों को लेकर यूपी ग्रामीण स्वच्छताग्राही कर्मचारी संघ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

पाक ने ईरान पर की जवाबी एयर स्ट्राइक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। ईरान ने कुछ दिनों पहले पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमले किए। इसके बाद अब पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया कि पाकिस्तान की ओर से ईरान में आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया है। ईरान ने पाकिस्तान के मिसाइल स्ट्राइक की जानकारी देते हुए बताया कि इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है।

» मिसाइल हमला किया सात की मौत

ईरान के सुरक्षा अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस हवाई हमले में तीन महिलाएं और चार बच्चों की मौत हो गई। यह मिसाइल हमला ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के एक सीमावर्ती गांव पर हुआ। पाकिस्तान का दावा है कि ईरान में मौजूद बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी बलूचिस्तान लिबरेशन फोर्स जैसे बलूच अलगाववादी उग्रवादी लगातार पाकिस्तान विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। पाकिस्तान ने दावा किया है कि ईरान इन संगठनों को आश्रय देता है। हालांकि,ईरान ने पाकिस्तान के दावों का खंडन किया है।

चार-पांच दिन और उत्तर पूर्वोत्तर भारत में जारी रहेगी शीतलहर

कोहरे के कारण प्रभावित हुआ रेल यातायात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में कुछ स्थानों पर घने कोहरे के कारण दृश्यता का स्तर शून्य रहा, जिससे रेल यातायात प्रभावित रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों में दिखाई दिया कि बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरे में कुछ कमी आई है वहीं पंजाब, हरियाणा, पश्चिम राजस्थान, बिहार, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और असम के कुछ हिस्सों में 'घने' से 'बेहद घना' कोहरा छाया रहा।

उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में सुबह-सुबह कोहरा छाए रहने के कारण पिछले एक पखवाड़े में सड़क, रेल और हवाई यातायात काफी प्रभावित रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि अगले पांच दिन तक उत्तर भारत में 'घने' से 'बहुत घना' कोहरा और 'शीत दिवस' की स्थिति बने रहने का अनुमान है। पश्चिमोत्तर भारत में पांच दिनों तक शीत लहर से लेकर गंभीर शीत लहर की स्थिति जारी रहने की संभावना है। विभाग के अनुसार मैदानी इलाकों में यदि न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है या जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री या उससे नीचे हो जाता है तो 'शीत लहर' की स्थिति बन सकती है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।